

197  
22

कोई उपाख्यान नहीं। वादीया एवं वकील  
वादीया उपाख्यान नहीं। उन्हें कई बार  
आवाज लगाई गई। कोई हाजिर खबर  
नहीं आया। अलग डाका वादीया अलग दफ्तरी  
व अलग पंजी के खारिज किया जाना  
ही प्यावरण के अखण्डता लेना शामिल  
दफ्तर है।

१२  
**अखण्डाधिका**  
धौलपुर (राज.)